

 धार्मिक शिक्षण बोर्ड	श्री महावीराय नमः Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh Conducted MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD Website jainshikshan.org Email jainshikshanboard@gmail.com	Shreni 3 Hindi Jain Shala July 2025 Marks 100
--	--	--

Student Name		Roll No	
Date of Birth		Mobile Number	
Sangh Name		Regular / Open book	
Jainshala Name		Writer yes / No	
Supervisor Name		Supervisor Signature	

सूत्र विभागना आधारे. / सुत्र खंड (सामायिक प्रतिक्रमण के आधार पर)

1. नीचेना पाठनी पूर्ति करो. (कोईपण - पांच) नीचे दिये हुए पाठकी पूर्ति किजीए। (कोईभी - पांच)	मार्क - 10
---	---

- 1) हीणक्खरं / हीणक्खरं _____,
_____, घोसहीणं / घोसहीणं .
- 2) देवसियाए / देवसियाए _____,
_____, मणदुक्कडाए / मणदुक्कडाए.
- 3) भगवंताणं / भगवंताणं _____,
_____, पुरिससीहाणं / पुरिससीहाणं .
- 4) सूपविहिं / सूपविहिं _____,
_____, पाणियविहिं / पाणियविहिं.
- 5) सचित निक्खेवणया / सचित निक्खेवणया, _____,
_____, ऐहवा बारमां / ऐहवा बारमां.
- 6) काईओ / काईओ _____,

_____, अकप्पो / अकप्पो.

7) कन्नालिक / कन्नालिक _____, _____, _____,
_____, ईत्यादि / ईत्यादि .

**2. नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो. (कोईपण - पांच)
नीचे दिये हुए शब्दोके अर्थ लिखए। (कोईभी - पांच)**

मार्क - 5

1. सिव/ सिव : _____
2. सिद्धि गई / सिद्धि गई : _____
3. सम्माणेमि / सम्माणेमि : _____
4. न सोहियं / न सोहियं : _____
5. सावग धम्मस्स / सावग धम्मस्स : _____
6. सिक्खावयाणं / सिक्खावयाणं : _____
7. सव्व कालियाए / सव्व कालियाए : _____

3. जोडका जोडो. / जोडी बनाए।

मार्क - 5

A	Answer	B
वईक्कमं / वईक्कमं		1. धुळे करी ढाक्या होय / धूल आदि से ढंक दिया हो
वयसा / वयसा		2. वंदित - इन्द्रादिथी वंदायेला / मस्तक से वंदित
वतिया / वतिया		3. वायु अधोद्वारे जवाथी / अधोवायु निकलने से
वंदिय / वंदिय		4. अपराध थयो होय / अपराध किया हो
वायनिसग्गेणं / वायनिसग्गेणं		5. वचने करी / वचन से

4. आकडामां जवाब लखो. / अंकमे उत्तर लिखीये।

मार्क - 5

1. काळनी अपेक्षाअे प्रतिक्रमणना प्रकार / कालकी अपेक्षासे प्रतिक्रमणके प्रकार : _____

=====

2. प्रतिक्रमणना आवश्यक / प्रतिक्रमणके आवश्यक : _____
3. पाप करवाना STEPS केटला? / पाप करने के चरण : _____
4. वंदनाना प्रकार / वंदना के प्रकार : _____
5. ज्ञानना अतिचार / ज्ञान के अतिचार : _____

5. नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. (कोईपण - पांच) नीचे दिये गए प्रश्नोके उत्तर लिखये। (कोईभी - पांच)	मार्क - 5
--	------------------

1. अनाचार एटले शुं? / अनाचार किसे कहते है ?

2. श्रुतधर्म एटले शुं? / श्रुतधर्म याने क्या ?

3. एकवारनी वंदनामां केटला आवर्तन थाय? / एक बार की वंदना में कितने आवर्तन होते है?

4. व्रतनी शुद्धि शेनाथी थाय? / व्रत की शुद्धि कैसे होती है?

5. सम्यकदर्शन एटले शुं? / सम्यकदर्शन याने क्या?

6. प्रमादनुं प्रतिक्रमण क्यां गुणस्थाने थाय छे? / प्रमाद का प्रतिक्रमण कौनसे गुणस्थान में होता है?

7. त्रीजा आवश्यकमां क्युं आसन होय छे? / तीसरे आवश्यक में कौनसा आसन होता है?

सामान्य समजण विभाग आधारे जवाब लखो. / सामान्य समज खंड

6. रिक्त स्थानोकी पूर्ती करो. / रिक्त स्थानकी पूर्ती किजीए।	मार्क - 5
--	------------------

- a) गृहस्थो पोताना प्रत्येक कार्यो_____अने_____पूर्वक करे.
गृहस्थ को अपना प्रत्येक कार्य_____और_____पूर्वक करना चाहिए।

=====

- b) _____ अनंतकाय छे.
_____ अनंतकाय है।
- c) लौकिक पर्व आत्माने _____ द्वारा अशुद्ध बनावे.
लौकिक पर्व _____ से आत्मा को दूषित करते है।
- d) पर्युषणना छेल्ला दिवसने _____ कहेवाय छे.
पर्युषण के अंतिम दिनको _____ कहा जाता है।
- e) श्रावकने पाप करवुं पडे तो _____ हृदये करे छे.
श्रावक का पाप करना पडे तो _____ हुए मन से करता है।

7. नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. / नीचे दिये प्रश्न के उत्तर लिखे.

मार्क - 5

- गणधर गौतमस्वामीनो केवळज्ञान प्रागटय दिन क्यो छे?
गणधर गौतमस्वामी केवळज्ञान प्रागटय दिन कौनसा है?

- अनाज लोट मसाला वगेरे चाळवाना साधनने शुं कहेवाय?
अनाज, आटा, मसाले आदि छानने के साधन को क्या कहते है?

- सवारे उठीने घरनुं कामकाज शरु करतां पहेलां शुं करवुं जोईए?
सुबह उठकर घर का काम शुरु करने से पहले क्या करना चाहिए?

- नोकर चाकर साथे कोना जेवो व्यवहार करवो?
नोकरो के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए?

- आपणे एक श्वास लईए अने छोडीए एटली वारमां कंदमूळना जीवोना केटलीवार जन्म - मरण थई जाय?
हम एक सांस लेते है और छोड देते है, उतने समय में कंदमुळ के जीव कितने जन्म - मरण हो जाते है?

8. जोडका जोडो. / जोडी बनाए।

मार्क / मार्क - 10

=====

A	Answer	B
दीपावली पर्व / दीवाली		1. आठ दिवसनुं पर्व / आठ दिन का पर्व
आयंबिल ओळी / आयंबिल ओली		2. पाणीनो बगाड / पानी की बर्बादी
संवत्सरी पर्व / संवत्सरी पर्व		3. नव दिवसनुं पर्व / नव दिन का पर्व
पर्युषण पर्व / पर्युषण पर्व		4. प्रभु महावीर निर्वाण कल्याणक प्रभु महावीर निर्वाण कल्याणक
धूळेटी / रंगपंचमी		5. आपणा श्रेष्ठ तहेवार / अपना श्रेष्ठ त्योहार
उतरायण / उतरायण		6. फटाकडा फोडवा / फटाके फोडना
होळी / होली		7. पक्षीओ माटे सजा / पक्षियों के लिए सजा
लौकिक पर्व / लौकिक पर्व		8. अग्नि प्रगटावी / प्रज्वलित अग्नि
लोकोतर पर्व / लोकोतर पर्व		9. भवभ्रमण वधारे / भवभ्रमण बढ़ाना
३१मी डिसेम्बर / ३१ दिसंबर		10. भवभ्रमण घटाडे / भवभ्रमण कम होना

तत्व तथा संस्कार विभाग / तत्व और संस्कार खंड

9. नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. / नीचे दिये गए प्रश्नोके उत्तर लिखिए।	मार्क / मार्क : 5
---	-------------------

1. पूर्वभवनुं ज्ञान एटले क्युं ज्ञान? / पूर्वभव का ज्ञान याने कौनसा ज्ञान?

2. सम्यक दर्शननी प्राप्तिनो उपाय क्यो छे? / सम्यक दर्शन की प्राप्ति करने की साधना कौनसी है?

3. नरक तथा तिर्यचमां शुं करवाथी जवुं पडे? / क्या करने से नरक या तिर्यच में जाना पडता है?

4. भद्र पुण्य केवी रीते बंधाय? / भद्र पुण्य कर्मों का बंध कैसे होता है?

5. ज्ञान, वृद्धिनो पांचमो बोल लखो? / ज्ञान, वृद्धि का पांचवा बोल लिखे?

6. शेना द्वारा पोतानो अने जगतनो बोध थाय छे? / किसके द्वारा स्वयं का और संसार का बोध होता है?

10. खाली जग्या पूरो. / रिक्त स्थानों की पूर्ती किजीए।

मार्क - 5

1. ज्ञान प्रागटय माटे _____ करवानो छे.

ज्ञान के प्रागटय के लिए _____ करना है।

2. _____ पासे अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे.

_____ के पास अध्ययन करने से ज्ञान में वृद्धि होती है।

3. जे कार्यनुं फळ _____ स्वरूपे भोगवाय तेने पुण्य कहेवाय.

जिस कार्य का फल _____ के रूप में भोगा जाता है उसे पुण्य कहते हैं।

4. आपणा _____ ने घटाडीने जीवनने उज्जवळ बनावीए.

अपने भीतर जो _____ के भाव है, उन्हें कम करके जीवन का उज्जवल बनाए।

5. चंडकौशिके पोते करेला _____ नुं फळ जाणी लीधुं.

चंडकौशिक ने स्वयं के _____ के फल को जान लिया।

11. जोडका जोडो / जोडी बनाए।

मार्क - 5

A	Answer	B
ज्ञान / ज्ञान		1. बंधुं सारुं मळे / सब अच्छा मिलता है
पुण्य / पुण्य		2. प्रभु महावीरना वचन / प्रभु महावीर के वचन
मृगापुत्र / मृगापुत्र		3. स्व-पर प्रकाशक / स्व-पर प्रकाशक
मेघकुमार / मेघकुमार		4. साधुना दर्शन / साधु के दर्शन
पाप / पाप		5. दुःख भोगववा पडे / दुःख पीडा भोगने पडे

धर्म अने विज्ञान विभाग / धर्म अने विज्ञान खंड

12. खाली जग्या पूरो. / रिक्त स्थानों की पूर्ती करे.

मार्क - 5

1. जैन आगमोमां दस प्रकारनी_____ नुं कथन छे.
जैन आगमो में दस प्रकार के _____ का उल्लेख है।
2. जयां मन प्रसन्न त्यां तन_____ होय.
जहाँ मन प्रसन्न होता है, वहाँ तन_____ रहता है।
3. धर्म पासे _____ ज्ञान छे.
धर्म में _____ ज्ञान है।
4. सर्व जीवो प्रत्ये _____ मैत्रीभाव अने _____ ना भावने धर्म अत्यंत महत्व आपे छे.
सभी जीवो के प्रति _____, मित्रता और _____ को धर्म सर्वोधिक महत्व देता है।

कथा विभाग / कहानी खंड

13. नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. (कोईपण - दस) नीचे दिये प्रश्नो के उत्तर लिखे। (कोईभी - दस)	मार्क - 10
--	-------------------

1. श्री नेमनाथ भगवान क्या नगरना हता? / श्री नेमनाथ भगवान कौनसे नगर के थे?

2. वासुदेवनां शंखनुं नाम शुं हतुं? / वासुदेव के शंख का नाम क्या था?

3. उग्रसेन राजानी कुंवरीनुं नाम शुं हतुं? / उग्रसेन राजा की कुमारी का नाम क्या था?

4. नेमकुमारे केटला राजाओ साथे दिक्षा अंगीकार करी? / नेमकुमार ने कितने राजाओं के साथ दिक्षा ली?

5. राजुल साध्वी जे गुफामां आश्रय लीधो त्यां कोण हतुं? / राजुल साध्वी ने जिस गुफामें आश्रय लिया वहाँ कौन था?

6. नेमनाथ भगवान क्यांथी निर्वाण पाम्यां? / नेमनाथ जी कहाँ से निर्वाण को प्राप्त हुए।

7. श्री कृष्णए दुर्योधनने केवो माणस शोधी लाववा कह्युं? / श्री कृष्णजी ने दुर्योधन को कैसा आदमी ढूँढ़कर लाने को कहा?

8. युद्धिष्ठिरने दरेक व्यक्तिमां शुं देखातुं हतुं? / युद्धिष्ठिरने को सभी में क्या नजर आया?
9. कृष्ण वासुदेवनी द्रष्टि केवी हती? / श्री कृष्ण वासुदेव की द्रष्टि कैसी थी?
10. नेमनाथ भगवान ने केटला दिवस बाद केवळज्ञान थयुं?
नेमनाथ भगवान को कितने दिनो की साधना बाद केवळज्ञान प्राप्त हुआ?
11. युवान नेमकुमार संसारमां केवी रीते रहेता हता? / युवा नेमकुमार संसार में कैसे रहते थे?
12. लग्न मंडपमां पहुँचता ज नेमकुमारे शुं जोयुं? / शादी के मंडप में पहुंचने पर नेमकुमार ने क्या देखा?

काव्य विभागना आधारे / काव्य खंड

14. खाली जग्या पुरो. (कोईपण - पांच) रिक्त स्थानोकी पूर्ती किजीए। (कोईभी - पांच)	मार्क - 10
--	------------

1. शुं बाळको / शुं बाळको _____
_____, नव उच्चरे / नव उच्चरे.
2. मन मारुं / मन मारुं _____
_____, चगदाय छे / चगदाय छे.
3. अमृत झरे/ अमृत जरे _____
_____, हुं तो विभु / हुं तो विभु.
4. में मुखने / में मुखने, _____
_____, लपटाईने / लपटाईने.
5. हुं क्रोध / हुं क्रोध, _____, _____, _____,

_____, ध्यावुं तने / ध्यावुं तने.

6. कुदेवनी / कुदेवनी, _____, _____, _____,

_____, में ग्रहा / में ग्रहा.

जय जिनेन्द्र / जय जिनेन्द्र